प्रदेश के लिए एलाट है, मिल ही नहीं रही है । सारे प्रदेश में कोयला नहीं है । सारे निर्माण कार्य ठप्प हो गये हैं । उत्तर प्रदेश सरकार कुछ भी करने में असमर्थ है। केन्द्रीय सरकार तुरन्त कोयले तथा रेलवे वैगन की व्यवस्था करे जिससे ईंट भट्ठा चल सकें तथा श्रमिकों को रोजी रोटी मिल सकें ।

(iii) REPORTED PUBLIC RESENTMENT AGAINST OCTROI LEVY AT NOTGHAT BRIDGE ON BETWA RIVER.

श्री लक्ष्मी नारायण नायक (खजुराहो) : सभापति महोदय, मैं नियम 377 के अधीन निम्नलिखित लोक महत्व का विषय उठाना चाहता हूं :—

मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश की सीमा में ओरछा स्टेशन के पास बेतवा नदी पर नोट घाट का पुल 33 लाख रुपये की लागत से निर्मित हुआ था । उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश एवं केन्द्रीय शासन द्वारा बराबर बराबर धनराशि से उत्तर प्रदेश शासन द्वारा निर्माण हुआ था । पुल में व्यय की गई धन राशि की पूर्ति हेतु उत्तर प्रदेश शासन द्वारा पुल पर से निकास करने पर चुन्गी कर लगाया गया था । चुंगी कर से पुल के निर्माण में जितनी धनराशि व्यय हुई है उससे अधिक धनराशि वसूल हो चुकि है पर फिर भी चुंगी कर वसूल किया जा रहा है । शासन के नियम अनुसार की लागत व्यय के बराबर वसूली हो जाने पर चुंगी टैक्स वसूल नहीं किया जायेगा, पर इस पुल पर लगातार वसूली की जा रही है । मैंने इस वसूली को रोकने बाबत तारीख 21-7-77 व 17-5-78 को प्रधान मंत्री महोदय को और दो बार उत्तर प्रदेश के मुख्य मंत्री को पत्र लिखा था पर अभी तक इसे रोका नहीं गया है। उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश और केन्द्रीय सरकार का इसमें बराबर हिस्सा लगा है । वसूल की गई रकम में से मध्य प्रदेश और केन्द्रीय सरकार का हिस्सा भी उत्तर प्रदेश शासन को वापस करना चाहिये ।

आदेश के विपरित अन्धाधून्ध वसूली किये जाने से जनता में बेहद असंतोष एवं क्षोभ व्याप्त है । अतएव नोट घाट पुल की चुंगी की वसली शीघ्र समाप्त की जाय तथा मध्य प्रदेश और केन्द्रीय सरकार की धनराशि उत्तर प्रदेश शासन को शीघ्र वापस करनी चाहिये ।

(iv) REPORTED DETENTION OF 104 DN DELUXE AT BIHIYA STATION (EASTERN RAILWAY) ON 21-4-79.

SHRI A. K. ROY (Dhanbad): I would like to draw the attention of the House to the following matter of urgent public importance under Rule 377.

I have got a horrible experience of train journey by 104 DN Deluxe on 21-4-79 which I could know by inquiry, an almost common phenomenon in the main line of Eastern Railway. Between Buxar to Danapur, to give passage to this super fast train, the local passenger train is detained at Bihiya Station, which seems to be the root cause of disturbance in that line. On 21-4-79, at 6 A.M. passenger train was detained at Bihiya Station to give clearance to the Deluxe, which enraged the local passengers who stopped this train also by puling the signal. Then nearly all passengers of the local train rushed into the Deluxe. the glass panes were broken, the air-conditioned compartments were seized and the vaccum pipes were cut. Some people forcibly entered into the Dining Car and took away all the food prepared for the long distance passengers. After a lot of detention, the train had to start then as a passenger train with intermediate stoppages between two stations due to extra chain pulling. In this way, the train went upto Mokama Junction via Patna and became 6 hours late.

Inconvenience caused to the passengers were extreme. Food was exhausted, air-conditioner failed, water was also not available. Comments of the passengers were bitter. All programmes were upset. With me was traveling one Member of the Upper House of U.P. He lost his connecting train at Howrah.

From Buxar to Mokama the distance is hardly 200 kms. But it took ten hours for the Deluxe train to pass. An ironey to the episode is that the Conductor Guard charged one passenger, a military officer, who lost all connecting train at Howrah for the late runing of the train, extra fare chargeable for super fast train.

The whole thing is distressing and shameful especially when it is happening for some time nearly regularly. It appears that local passen-